



दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

असली आजादी

■ वर्ष: 22, अंक: 23 ■ दमण, सोमवार 12, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

जेएनयू में छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर दमण में भाजपा ने निकाली विरोध रैली

■ मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की उठाई मांग



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। जेएनयू में छात्राओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न को लेकर भाजपा ने आज दमण में विरोध मार्च निकाला। संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के नेतृत्व में दमण स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय से नानी दमण बस स्टैंड तक एक विरोध मार्च निकालकर भाजपाईयों ने जेएनयू प्रोफेसर और कांग्रेस सांसद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इस विरोध मार्च में प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल, दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष फाल्गुनी पटेल, धर्मेस सिंह चौहान, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, दमण नगरपालिका अध्यक्ष दीपिका टंडेल, दमण जिला पंचायत उपाध्यक्ष रीना पटेल, प्रदेश भाजपा सचिव उर्वशी पटेल, महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्षा सिपल कटेल, दमण शहर भाजपा अध्यक्ष पीयूष पटेल, भाजपा नेत्री तरुणा पटेल, महिला मोर्चा की बड़ी संख्या में सदस्यों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, विभिन्न मोर्चा के

पदाधिकारियों, सरपंचों, काउंसिलरों सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे। विरोध रैली के दौरान भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जेएनयू में छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न का विरोध करते हुए मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही जेएनयू में कथित यौन उत्पीड़न के मामले पर अपना विरोध दर्ज कराया। महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया और मांग की कि महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा की महिला नेताओं ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से मांग की गई कि वे महिलाओं के अधिकारों और सम्मान से जुड़े इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करें। इस बात पर जोर

दिया गया कि महिलाओं से जुड़ी गंभीर शिकायतों के मामले में राजनीतिक दलों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। भाजपा की महिला नेताओं ने कहा कि हर हाल में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सबसे ऊपर होना चाहिए। ऐसे गंभीर मामलों में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और कानून के अनुसार दोषित होने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। दमण में आयोजित विरोध मार्च द्वारा भाजपा पदाधिकारियों एवं महिला मोर्चा ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा एवं न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा उपाध्यक्ष फाल्गुनी पटेल ने कहा कि मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर द्वारा छात्रों के साथ कथित यौन उत्पीड़न मामले को लेकर आज प्रदेश भाजपा द्वारा विरोध रैली निकाली गई है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम को प्रोफेसर पद से हटा दिया गया है लेकिन हम उन्हें सांसद पद से भी हटाने की मांग

करते हैं। फाल्गुनी पटेल ने कहा कि, कांग्रेस ने एक नारा दिया था कि - मैं लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, जो पूरी तरह से गलत साबित हो रहा है। महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान और न्याय के साथ

समझौता नहीं किया जा सकता है। हम भारत की पूरी महिलाओं की ओर से मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हैं।

डाभेल ग्राम पंचायत में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। डाभेल ग्राम पंचायत में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरपंच हेमाक्षी कनु पटेल द्वारा गांव के दुकानदारों और व्यापारियों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का

उपयोग नहीं करने तथा इसके विकल्प के रूप में कपड़े के थैलों का उपयोग करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए

सहयोग देने की अपील की गई। इस कार्यक्रम में डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी पटेल, उपसरपंच शैलेश पटेल, ग्राम पंचायत के सदस्यगण तथा गांव के दुकानदार और व्यापारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमण ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर किया जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 10 अक्टूबर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमण द्वारा एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें उपलब्ध कानूनी सहायता तंत्र से जोड़ना था। अभियान के दौरान विधिक स्वयंसेवकों और संबंधित अधिकारियों की टीमों ने

दमण के विभिन्न रिहायशी इलाकों में घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया। इस दौरान टीम ने नागरिकों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों और समाज में इसे लेकर फैली भ्रमियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही, लोगों को नालसा की राष्ट्रीय



निःशुल्क कानूनी हेलपलाइन टोल-फ्री नंबर 15100 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

संजय कालिदास पटेल को मरवड भाजपा मंडल अध्यक्ष की मिली जिम्मेदारी



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादर नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में संजय कालिदास पटेल को दमण जिला भाजपा के मरवड

मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दमण के उपप्रदेश भाजपा कार्यालय में आज संगठनात्मक नियुक्ति के लिए एक बैठक आयोजित की गई। दमण जिला

भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल, प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेससिंह चौहान और मरवड के सरपंच सोमा

पटेल उपस्थित रहे। संजय कालिदास पटेल की मरवड भाजपा मंडल अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति किये जाने से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में

कार्य करने को गति मिलेगी। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों ने मरवड मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय पटेल को शुभकामनाएं दी।

दमण के दिलीपनगर ग्राउंड में नवरात्रि महोत्सव का हुआ भव्य आगाज

डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल ने मां अंबे की आरती उतारकर शुरू कराया गरबा महोत्सव



फोटो: स्टूडियो फोटो पॉइंट टीम



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। दमण के दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन की ओर से पिछले कई वर्षों से दिलीपनगर ग्राउंड में भव्य नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जाता है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिलीपनगर ग्राउंड पर धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक नवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है। 11 अक्टूबर से नवरात्रि

महोत्सव का शुभारंभ हुआ है। दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के चेयरमैन लखम टंडेल ने आज देर शाम अंबे माता की आरती उतारकर पारंपरिक रूप से गरबा का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर डीडीए और डीएमएम के पदाधिकारियों और अन्य महानुभावों की उपस्थिति रही। नवरात्रि महोत्सव के शुभारंभ के बाद डीजे की ताल

पर खेलैयाओं ने दिलीपनगर ग्राउंड पर गरबा खेलने का आनंद लिया। डीडीए की ओर से प्रतिदिन विभिन्न कैटेगरी में बेहतरीन रास-गरबा का प्रदर्शन करने वाले खेलैयाओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। डीडीए के नवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने के लिए डीडीए और डीएमएम की टीम पूरे जोर-

शोर से जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि दमण की सबसे पेशा सोसायटी दिलीपनगर डेवलपमेंट द्वारा दमण की जनता को आनंद एवं मनोरंजन के लिए बड़े पैमाने पर नवरात्रि महोत्सव का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। जिसमें दमण एवं आस-पास के क्षेत्रों के गरबा खेलैया पहुंचकर रास-गरबा का आनंद लेते हैं।

नवरात्रि और दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर प्रशासन सख्त, आयोजकों के लिए जारी किए 35 दिशा-निर्देश

■ ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रात 10

बजे से सुबह 6 बजे तक प्रतिबंध, निर्धारित स्थलों पर ही होगा प्रतिमा विसर्जन, नियमों के उल्लंघन पर कार्यक्रम रद्द करने की चेतावनी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 12 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली के जिला प्रशासन ने नवरात्रि और दुर्गा पूजा उत्सव को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विस्तृत परिपत्र जारी किया है। उपखंड मजिस्ट्रेट अमित कुमार द्वारा 5 अक्टूबर 2026 को जारी इस परिपत्र में पूजा पंडालों, गरबा, डांडिया और दुर्गा पूजा आयोजनों के लिए 35 दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन ने सभी आयोजकों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। परिपत्र के अनुसार, पूजा, गरबा, डांडिया और दुर्गा पूजा के आयोजन निर्धारित शर्तों के अधीन पाटी स्थलों, सामुदायिक मैदानों, क्लबों, होटलों, आवासीय परिसरों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर किए जा सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया

है कि प्रत्येक आयोजन में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी आयोजक की होगी। आयोजकों को पुलिस विभाग, जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के साथ पूरा सहयोग करना होगा। पूजा पंडाल, मंच और अस्थायी निर्माण मजबूत एवं सुरक्षित होने चाहिए। आग, दुर्घटना और अन्य अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतना अनिवार्य होगा। अस्थायी निर्माण, विद्युत संयोजन, अग्नि सुरक्षा, ध्वनि व्यवस्था और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए संबंधित विभागों से जरूरी अनुमति एवं अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा। आयोजन स्थल पर अग्निशामक यंत्र, पानी, रेत, प्राथमिक उपचार पेटी और आवश्यकतानुसार चिकित्सा सहायता एवं एंबुलेंस की व्यवस्था

भी करनी होगी। आयोजकों को भीड़ नियंत्रण, प्रवेश एवं निकास, स्वयंसेवकों की तैनाती और वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी। स्वयंसेवकों के नाम और संपर्क विवरण पहले से पुलिस विभाग तथा आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराने होंगे। जहां एक सौ से अधिक लोगों के एकत्र होने की संभावना है, वहां प्रवेश और निकास सहित संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। कैमरों को पूरे कार्यक्रम के दौरान चालू रखना और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस तथा जिला प्रशासन को फुटेज उपलब्ध कराना होगा। आयोजन स्थल पर पीने के स्वच्छ पानी और साफ-सुथरे शौचालयों की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। सार्वजनिक सड़कों, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, न्यायालयों और

अन्य संवेदनशील स्थानों पर आवागमन में बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। परिपत्र में ध्वनि प्रदूषण को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। ध्वनि विस्तारक यंत्र, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, ध्वनि प्रबंधक, संगीत वाद्ययंत्र और ध्वनि उत्पन्न करने वाले अन्य उपकरणों का उपयोग रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक नहीं किया जा सकेगा। आवासीय क्षेत्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, औद्योगिक क्षेत्रों और शांत क्षेत्र के लिए निर्धारित ध्वनि सीमाओं का पालन करना होगा। अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, न्यायालयों और घोषित शांत क्षेत्रों के आसपास विशेष सावधानी बरतनी होगी। पुलिस विभाग, जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण समिति के अधिकृत अधिकारी आयोजन के दौरान जांच कर सकते हैं। निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि पाए जाने पर आवाज

कम करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। लगातार उल्लंघन होने पर ध्वनि व्यवस्था बंद कराई जा सकती है और नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन ने उत्सव के दौरान राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी है। जुआ, अश्लील गतिविधियां, हथियार, प्रतिबंधित वस्तुएं, शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन आयोजन स्थल पर प्रतिबंधित रहेगा। सक्षम अधिकारी का पालन करना होगा। बिन शोभायात्रा, रैली या अन्य जुलूस को सरकारी कार्यालयों, प्रतिबंधित परिसरों अथवा अन्य संवेदनशील स्थानों से निकालने की अनुमति नहीं होगी। आयोजकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कार्यक्रम से आम जनता को परेशानी न हो। प्रशासन ने दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए निर्धारित स्थलों का उपयोग

अनिवार्य किया है। किसी भी अनधिकृत नदी तट, जलाशय या अन्य स्थान पर प्रतिमा विसर्जन नहीं किया जा सकेगा। प्रतिमा विसर्जन के दौरान जल प्रदूषण रोकने, पूजा सामग्री के उचित निपटान और साफ-सफाई के निर्देशों का पालन करना होगा। सिलवासा विभाग के लिए निर्धारित विसर्जन स्थलों में नक्षत्र वन विसर्जन कुंड, नदी तट, दमणगंगा नदी, नरोली रमशान घाट की ओर, खरड्पाड़ा, मसाट, बावीसा फलिया, रखोली पुल, स्टरलाइट के पीछे, दादरा, तिघरा खाड़ी, शिव मंदिर, दादरा, खानवेल विभाग के लिए निर्धारित विसर्जन स्थलों में तलावली, खानवेल एवं बिंद्राबिन मंदिर शामिल हैं। आयोजकों को कार्यक्रम से पहले, कार्यक्रम के दौरान और आयोजन समाप्त होने के बाद स्थल की

सफाई सुनिश्चित करनी होगी। कचरे, प्लास्टिक और पूजा सामग्री को सड़कों, नालों, सार्वजनिक स्थानों अथवा जल निकायों में फेंकने की अनुमति नहीं होगी। किसी सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचने पर उसकी मरम्मत अथवा प्रतिस्थापन की जिम्मेदारी आयोजक की होगी। परिपत्र के अनुसार, नवरात्रि और दुर्गा पूजा आयोजन की सूचना संबंधित क्षेत्र के उपखंड मजिस्ट्रेट कार्यालय को देना अनिवार्य है। सिलवासा क्षेत्र के आयोजकों को उपखंड मजिस्ट्रेट, सिलवासा तथा खानवेल क्षेत्र के आयोजकों को उपखंड मजिस्ट्रेट, खानवेल के कार्यालय से संपर्क करना होगा। सामाजिक, शैक्षणिक, खेलकूद, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक अथवा राजनीतिक कार्यक्रमों से संबंधित अन्य आयोजनों के लिए

आवश्यक पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित शर्तों अथवा सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों का उल्लंघन होने पर कार्यक्रम को तत्काल रोकना या रद्द किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, आयोजक और उल्लंघन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई भी की जा सकती है। उपखंड मजिस्ट्रेट अमित कुमार द्वारा जिलाधिकारी की स्वीकृति से जारी इस परिपत्र में सभी संबंधित आयोजकों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन का उद्देश्य नवरात्रि और दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, ध्वनि नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है।

दमण पुलिस ने अंतर्राज्यीय शराब तस्करी मामले में 24 घंटे में 97.45 लाख रुपये की अवैध शराब और वाहन जप्त किये

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 अक्टूबर। दमण पुलिस ने संगठित शराब तस्करी के खिलाफ एक बड़ी और समन्वित कार्रवाई करते हुए 24 घंटों के भीतर पांच अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की है। इस सघन अभियान में पुलिस ने तस्करी के रास्तों को ब्लॉक कर भारी मात्रा में अवैध शराब और वाहन जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 97.45 लाख रुपये आंकी गई है। इसमें 59.70 लाख रुपये से अधिक मूल्य की शराब और 37.75 लाख रुपये के वाहन शामिल हैं। पुलिस वाहन को टक्कर मारकर भागने की कोशिश कर रहे चार आरोपियों को फिल्मी अंदाज में पीछा कर गिरफ्तार कर लिया गया है। दमण पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 10 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच दाबेल थाना पुलिस को सोमनाथ स्थित होटल मेंट्रो इन के पास शराब की तस्करी होने की गुप्त सूचना मिली थी। सुबह 5 बजे जैसे ही पुलिस ने होटल परिसर से तेज रफ्तार में निकल रहे एक सफेद टाटा येल्डा टेम्पो नं. जीजे-15-एवी-8401 को रुकने का इशारा किया, तो ड्राइवर ने यू-टर्न लेकर भागने की कोशिश की। इस दौरान तस्करी ने पुलिस की गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस टीम ने हिम्मत न हारते हुए कुंता रोड के रास्ते गुजरात की तरफ भाग रहे टेम्पो का पीछा किया। बीच रास्ते में टेम्पो का एक टायर पंचर हो जाने के कारण तस्करी को रुकना पड़ा। पुलिस ने टेम्पो की तलाशी ली तो उसमें से बिना किसी वेश परमिट के ले जाई जा रही 262 बॉक्स और 66 बोतल अवैध शराब और बीयर बरामद हुई। इस अवैध



शराब की कीमत करीब 8,60,500 रुपये है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि शराब से भरे टेम्पो को सुरक्षित निकालने के लिए दोपहिया वाहन के रोकने पर गाड़ी से टक्कर मारने के निर्देश भी दिए गए थे। इस मामले में दाबेल पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अर्जुन श्रीनिवास पटेल (उम्र-28) हाल निवासी - वापी, गुजरात, सुरेशकुमार अशोक पटेल (उम्र-29) हाल निवासी - दमण, अभय भरत पटेल (उम्र-23) हाल निवासी - वलसाड, गुजरात और कुपेश उर्फ विशाल अरुण पटेल (उम्र-30) हाल निवासी नानी

दमण के रूप में हुई है। इसके अलावे दमण पुलिस द्वारा अन्य चार बड़ी कार्रवाइयां की गई है। इनमें से पहली कार्रवाई में दमण पुलिस ने रिंगनवाडा इलाके में एक बंद पड़ी विजय प्लास्टो कंपनी में अवैध रूप से छुपाकर रखी गई भारी मात्रा में भारतीय निर्मित विदेशी शराब और बीयर जब्त की गई। यहां से पुलिस ने 42,179 बोतलों/बट्टर (1312 बॉक्स) बरामद किए। इस अवैध शराब की अनुमानित कीमत 45,12,402 रुपये आंकी गई है। इसके अलावे भीमपोर स्कूल के पीछे खड़ी तीन सड़िंध गाडियां ब्रुंडई क्रेटा, जीप कम्पास और मारुति स्विफ्ट की तलाशी के दौरान 5,03,280 रुपये की 129 बॉक्स शराब बरामद की गई। 23 लाख रुपये की तीनों गाडियों को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। अन्य एक कार्रवाई में पुलिस ने नानी दमण के दिलीप नगर स्थित यज्ञसेन अपार्टमेंट के पास खड़ी एक क्िया सोनेट कार और होंडा एक्टिवा मोपेड से 90,144 रुपये की लगभग 17 बॉक्स शराब बरामद की है। अन्य एक किस्से में मोटी

दमण के फुटबॉल ग्राउंड के पास चेकिंग के दौरान दमण पुलिस ने एक होंडा एक्टिवा पर सवार दो व्यक्तियों को रोका। इन दोनों युवकों के पास से काले प्लास्टिक के बड़े बैग में रखी 3,840 रुपये की वैध परमिट बिना की शराब मिली। इस तरह कुल पांच जगहों पर हुई छापेमारी हुई है और बंद कंपनी से पुलिस ने 45 लाख की शराब बरामद की है। बता दें कि, दमण पुलिस ने जब्त की गई सभी अवैध शराब को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दी है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज जैसे कि आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों की कड़ाई से जांच कर रही है। दमण पुलिस ने इस कार्रवाई के ज़रिए कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि अवैध शराब तस्करी और बूटलेगिंग के खिलाफ पुलिस ज़ोरों टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सीमावर्ती चौकियों और चेकपॉइंट्स पर दिन-रात सख्त निगरानी जारी रहेगी और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बेहद सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में हादसा, एग्जीक्यूटिव और इंजीनियर की मौत

■ दोनों की मौत की असली वजह नामालूम, पुलिस कर रही हर एंगल से जांच

बोकारो,(ईएमएस)। झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोड़ी थाना क्षेत्र स्थित वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में रविवार सुबह एक हादसे में दो कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना प्लांट के ब्लैस्ट फर्नेस-1 में हुई। आशंका जताई जा रही है कि दोनों कर्मचारी किसी जहरीली गैस के संपर्क में आ गए थे, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। हालांकि मौत के असली वजह और आधिकारिक कारणों की पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। मुर्दों की पहचान हजारीबाग के रहने वाले सोहन महतो और धनबाद के रहने वाले समीर अंसारी के रूप में हुई है। प्रबंधन की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक इस हादसे में जान गंवाने वालों में एक कंपनी का एग्जीक्यूटिव था,

जबकि दूसरा कर्मचारी किसी बिजनेस पार्टनर के अधीन इंजीनियर के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहा था। कंपनी के मुताबिक गैस रिसाव या संपर्क की बात सामने आने के तुरंत बाद दोनों कर्मचारियों की प्राथमिक मेडिकल जांच की गई और उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस दुखद घटना के बाद से पूरे प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि वे किस खतरनाक गैस की चपेट में आए थे और सुरक्षा मानकों में कहाँ चूक हुई। पुलिस अधिकारियों



का कहना है कि हादसे की असल वजहों का खुलासा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। ईएसएल स्टील लिमिटेड प्रबंधन ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। औद्योगिक कंपनी का दावा है कि इस मुश्किल वक्त में दोनों पीड़ित

परिवारों को हरसंभव मदद और सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कंपनी के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि इस पूरे मामले की एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाएगी, जिसके निष्कर्षों के आधार पर भविष्य के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। औद्योगिक इकाई में हुई इन मौतों से परिवार में मातम पसरा है।

समुद्र निगल रहा है तटवर्ती जमीन, भारत के 33.6 फीसदी समुद्री तट खतरे में

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के समुद्री तटों पर कटाव की समस्या गंभीर होती जा रही है। समुद्र की बढ़ती लहरें तटवर्ती जमीन को लगातार निगल रही हैं। इसके कारण तटीय बस्तियों, सड़कों, मकानों, कृषि भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर खतरा बढ़ गया है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, देश की लगभग 33.6 फीसदी तटरेखा समुद्री कटाव से प्रभावित है। जलवायु परिवर्तन, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और तेज होती समुद्री लहरें इस संकट को और

गंभीर बना रही हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा कटाव राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल की 60.5 फीसदी तटरेखा समुद्री कटाव से प्रभावित है। पुडुचेरी में यह आंकड़ा 56.2 फीसदी, केरल में 46.4 फीसदी और तमिलनाडु में 42.7 फीसदी है। गुजरात में 27.6 फीसदी, महाराष्ट्र में 25.5 फीसदी, ओडिशा में 25.6 फीसदी तथा आंध्र प्रदेश में 28.7 फीसदी तटरेखा प्रभावित हुई है। इन क्षेत्रों में समुद्र तटों का क्षरण स्थानीय

आबादी और आजीविका के लिए बड़ी चुनौती बन रहा है। तमिलनाडु के गांवों पर संकट तमिलनाडु के तटीय इलाकों में समुद्री कटाव के कारण कई स्थानों पर मकान, सड़कें और सार्वजनिक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। मछुआरा समुदाय के सामने रहने और रोजगार का संकट खड़ा हो रहा है। समुद्र पानी आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंचने से विस्थापन की आशंका भी बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन ने बढ़ाई त्तिता विप्लवज्ञों के अनुसार, समुद्र के जलस्तर में

वृद्धि, चक्रवात, तेज लहरें और तटीय क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां कटाव को बढ़ा रही हैं। कटाव के कारण वन और प्राकृतिक तटीय सुरक्षा क्षेत्र नष्ट होने से खतरा और भी बढ़ जाता है। समुद्री कटाव रोकने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, मैंग्रोव संरक्षण और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तटीय प्रबंधन योजनाएं जरूरी हैं। समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो लाखों लोगों की आजीविका और तटीय पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है।

गिर के बाद अब बरडा बना एशियाई शेरों का नया घर!

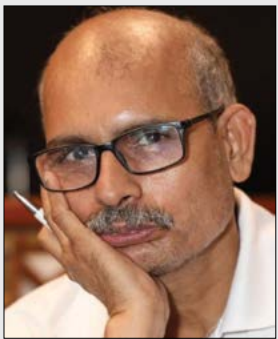
अहमदाबाद (ईएमएस) एशियाई शेर विश्व में केवल गिर के जंगल में ही पाए जाते हैं। हालाँकि, शेर अपने परंपरागत क्षेत्र से बाहर भी विस्तार कर रहे हैं। ऐसे समय में, बरडा का जंगल एशियाई शेरों के लिए एक नया 'घर' बना है। पोरबंदर तथा देवभूमि द्वाराका जिलों में फैले बरडा के जंगल की चट्टानी पहाड़ियाँ शेरों को रास आ गई हैं। हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, बरडा वन्यजीव अभयारण्य शेरों के दीर्घकालिक महत्वपूर्ण आश्रयस्थल के रूप में विकसित हो सकता है। सौराष्ट्र में स्थित बरडा वन्यजीव अभयारण्य 192.31 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और इसका बड़ा हिस्सा पोरबंदर तथा देवभूमि द्वाराका जिले में स्थित है। यह अभयारण्य वनस्पतियों की असाधारण विविधता से समृद्ध है और यहाँ कई प्रकार की औषधीय वनस्पतियाँ पाई जाती हैं, जिनमें पर्यावरणीय एवं संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियाँ भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने वन्यजीवों के संरक्षण एवं

सुरक्षा के प्रयासों को और गति दी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गिर के शेरों के संरक्षण के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा बरडा के जंगल में रहने वाले पशुपालकों के लिए एक पुनर्वास योजना घोषित की गई है और बरडा का जंगल शेरों के लिए एक सुरक्षित नया घर बना है। हाल ही में किए गए अध्ययन के अनुसार, बरडा के जंगल में शेरों को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए आवश्यक आवास, पर्याप्त शिकार और अनुकूल पर्यावरणीय परिस्थितियाँ उपलब्ध हैं। गिर से परे: बरडा वन्यजीव अभ्यारण्य एशियाई शेरों के लिए एक संभावित गढ़ के रूप में शीर्षक वाला यह अध्ययन पीएलओएस वन में प्रकाशित हुआ है। गुजरात वन विभाग के मोहन राम (आईएफएस), आराधना साहू (आईएफएस), नित्यानंद श्रीवास्तव (आईएफएस), रोहित चौधरी, लहर झाला और यशपाल झाला तथा बाबा यूनिवर्सिटी ऑफ

एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया था। इस अध्ययन में लगभग 144 वर्षों के अंतराल के बाद बरडा के जंगल में फिर से लोटे शेरों के क्षेत्र के उपयोग, आवास के चयन एवं आहार का अध्ययन किया गया। * 144 वर्षों के बाद शेरों ने प्राकृतिक रूप से बरडा को फिर से बनाया ठिकाना लगभग 144 वर्षों के बाद शेरों ने प्राकृतिक रूप से बरडा में फिर से अपना ठिकाना बनाया। शुरुआत में एक नर शेर यहाँ आया था और उसके बाद गुजरात वन विभाग द्वारा पाँच मादा शेरों को यहाँ लाया गया। वन एवं पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोदवाडिया ने कहा, “एशियाई शेरों के संरक्षण की दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण शोध है। अब शेरों की आबादी केवल गिर के जंगल तक सीमित नहीं रही है। गिर के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र से बिखरकर आने वाले शेरों के लिए बरडा का जंगल दूसरा घर बना है। इस वैज्ञानिक अध्ययन के निष्कर्ष इसी का परिणाम हैं।”

अर्जुन मोदवाडिया ने आगे कहा, “मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गुजरात में एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और शेरों के दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं।” वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री प्रवीण माळी ने कहा, “फ्रंटलाइन स्टाफ के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा गया है। शेरों की गतिविधियों और स्वास्थ्य पर दैनिक निगरानी रखने के लिए आठ पूर्णकालिक शेर ट्रैकर तैनात किए गए हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को भी और मजबूत बनाया गया है।” * बरडा के जंगल में शेरों की 'घर वापसी' जूनागढ वन वृत्त के वन संरक्षक और अध्ययन के एक लेखक मोहन राम (आईएफएस) ने कहा, “बरडा वन्यजीव अभयारण्य में वर्तमान में 17 शेर हैं।

चेन्नई से दौड़ेगी विकास की मिलेगी रफ्तार



विनोद सिंह 'तकियावाला'

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से तमिलनाडु के विकास, औद्योगिक विस्तार और आधुनिक कनेक्टिविटी को मिलेगी नई दिशा... भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री व्यापार,औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं में दक्षिण भारत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।आज का यह दिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई इन सभी विशेषताओं का संगम है।जहाँ एक ओर बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह महानगर समुद्री व्यापार और उद्योग का प्रमुख केंद्र है,तो दूसरी ओर वाहन निर्माण,सूचना प्रौद्योगिकी,उच्च शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।तेजी से बढ़ती आबादी, शहरीकरण और औद्योगिक गतिविधियों के बीच चेन्नई को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है।इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 अक्टूबर 2026 को चेन्नई दौरा महत्वपूर्ण रहा। पी एम नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन,शिलाप्यास और राष्ट्र को समर्पण किया गया।प्रधानमंत्री कार्यालय को आधिकारिक विज्ञापित के अनुसार,ये परियोजनाएं मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे,बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।इनका उद्देश्य परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ व्यापार,उद्योग,क्षेत्रीय संपर्क और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।चेन्नई में विकास की इस नई पहल को केवल कुछ परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए।एह समझना भी आवश्यक है कि आधुनिक परिवहन, मजबूत औद्योगिक ढांचा,समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।इन क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं विकसित होने से रोजगार,निवेश और आर्थिक गतिविधियों के लिए नए अवसर तैयार हो सकते हैं।

मेट्रो रेल से महानगर को नई गति -प्रधानमंत्री के चेन्नई दौरे की प्रमुख उपलब्धियों में चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पूनामल्ली-वडापलनी खंड का उद्घाटन शामिल रहा।लगभग 4,900 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खंड में 3.7 किलो मीटर लंबी दोहरी संरचना विशेष आकर्षण है।इसमें उन्नत संकेत प्रणाली का उपयोग किया गया है,जिसे चालक रहित रेल परिचालन के अनुकूल बनाया गया है।

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

चेन्नई की मेट्रो परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसमें सीमित शहरी भूमि का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए दोहरी संरचना विकसित की गई है। हालाँकि,किसी भी सार्वजनिक परिवहन परियोजना की वास्तविक सफलता यात्रियों की संख्या,नियमित परिचालन, स्टेशन तक पहुंच और सेवाओं की गुणवत्ता से तय होती है। इसलिए निर्माण के साथ यात्रियों की सुविधा और परिचालन



की दक्षता पर भी निरंतर ध्यान देना आवश्यक होगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों से मजबूत होगा क्षेत्रीय संपर्क - तमिलनाडु में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,700 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया।प्रधान मंत्री कार्यालय के अनुसार, इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744 पर वडुगपट्टी-थेकुवैगनल्लूर के बीच 36 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744ए पर मडुरै रिंग रोड के 30 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड का उद्घाटन शामिल है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर तिरुवारूर बाईपास के निर्माण की आधारशिला रखी गई।इन परियोजनाओं का सीधा संबंध यात्रियों की सुविधा और माल परिवहन की गति से है।मदुरै जैसे महत्वपूर्ण शहरों में बेहतर बाईपास और राजमार्ग संपर्क से भारी वाहनों को शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की आवश्यकता कम हो सकती है।इससे जाम में रहत मिलने और यात्रा समय घटने की संभावना है।राजमार्गों का विकास तीर्थस्थलों, औद्योगिक केंद्रों और व्यापारिक क्षेत्रों के बीच संपर्क को भी मजबूत करता है।किसानों के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने, उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार वस्तुओं के परिवहन में बेहतर सड़क नेटवर्क सहायक होता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी विकसित हो सकते हैं।रेलवे आधुनिकीकरण से यात्रियों को सुविधा - भारतीय रेलवे देश को आर्थिक और सामाजिक जीवरेश्खा है।चेन्नई कार्यक्रम के अंतर्गत 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया और उनका उद्घाटन किया गया। इनमें कराईकलझूपेरलम रेल लाइन, कोयंबटूर और आसपास के क्षेत्रों में तीन रेल ओवरब्रिज तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित पांच रेलवे स्टेशन शामिल हैं।इन स्टेशनों में पलानी,वेल्लौर कैंटोनेमेंट, अंबासमुद्रम, परमाकुडी और नामक्कल प्रमुख हैं।

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण केवल भवनों के सौंदर्यीकरण का विषय नहीं है।इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और अधिक व्यवस्थित स्टेशन परिसर उपलब्ध कराना भी है।छोटे शहरों और धार्मिक स्थलों के रेलवे स्टेशनों का विकास स्थानीय परिवहन तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है।

कोयंबटूर क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज का निर्माण सड़क और रेल यातायात के बीच होने वाले व्यवधान को कम करने में सहायक होगा। व्यस्त रेल क्रॉसिंग पर वाहनों के रुकने से समय की बर्बादी होती है और कई बार दुर्घटनाओं का

खतरा भी बढ़ता है।बेहतर रेल अवसंरचना इन समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

बंदरगाहों से समुद्री अर्थव्यवस्था को विस्तार - तमिलनाडु की भौगोलिक स्थिति उसे समुद्री व्यापार के क्षेत्र में विशेष महत्व प्रदान करती है।चेन्नई बंदरगाह, कामराजर बंदरगाह और वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह राज्य की औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख आधार हैं।इनकी क्षमता बढ़ाना देश के आयात-निर्यात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। चेन्नई बंदरगाह पर चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।इनमें पक्का भंडारण क्षेत्र, चार निर्यात-आयात गोदाम, आधुनिक क्रूज टर्मिनल और नाविकों के लिए क्लब शामिल हैं। इन सुविधाओं से माल के भंडारण और प्रबंधन में सुधार के साथ क्रूज यात्रियों तथा समुद्री कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर आठ प्रमुख विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।इनका उद्देश्य माल एवं कंटेनर प्रबंधन की क्षमता का विस्तार, स्वच्छ समुद्री ऊर्जा के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास और बंदरगाह परिसर में माल की आवाजाही को अधिक प्रभावी बनाना है।

कामराजर बंदरगाह पर कोयला बर्थ संख्या तीन का उद्घाटन किया गया।इसके साथ ही कंटेनर टर्मिनल के पहले चरण के दूसरे हिस्से से संबंधित पूंजीगत ड्रेजिंग कार्य की आधारशिला रखी गई।

बंदरगाहों की दक्षता बढ़ने से माल को जहाजों से उतारने,भंडारित करने और आगे परिवहन करने में लगने वाला समय कम किया जा सकता है।इससे उद्योगों की लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।समुद्री व्यापार का विस्तार स्थानीय रोजगार और संबंधित सेवाओं के विकास में भी योगदान दे सकता है।

पेट्रोलियम क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन -चेन्नई के मनाली स्थित चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में लगभग 1,620 करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रुप-द्वितीय एवं ग्रुप-तृतीय ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स परियोजना की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, इसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 2.70 लाख मीट्रिक टन है। इस परियोजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले स्नेहक तैयार करने के लिए आवश्यक आधारभूत तेल का उत्पादन किया जाएगा। ऐसे स्नेहकों का उपयोग वाहन उद्योग, मशीनों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में होता है।

घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ने से भारत के औद्योगिक क्षेत्र को

आवश्यक सामग्री की उपलब्धता मजबूत करने में मदद मिल सकती है।यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में मूल्य संवर्धन और तकनीकी क्षमताओं के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हालाँकि,इसके वास्तविक आर्थिक लाभ उत्पादन शुरू होने, बाजार की मांग और उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति पर निर्भर करेंगे।

आईआईटी मद्रास में विज्ञान की नई संभावनाएँ -चेन्नई की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैज्ञानिक अनुसंधान भी है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी मद्रास स्थित सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया।इसके साथ मानव मस्तिष्क का विस्तृत अध्ययन करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल भी शुरू की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार,इस अभियान का लक्ष्य भ्रूण अवस्था से युद्धावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों के त्रिआयामी एटलस तैयार करना है। यह अध्ययन कोशिकीय स्तर पर मस्तिष्क की संरचना को समझने में सहायता करेगा।

इस अवसर पर सी-स्ट्रोक नामक मानव इस्कीमिक स्ट्रोक एटलस भी जारी किया गया। इसमें स्ट्रोक से प्रभावित मस्तिष्क के एक हजार से अधिक चिह्नित सूक्ष्म ऊतक खंड शामिल हैं। इससे दुनिया भर के शोधकर्ताओं को मस्तिष्काघात से संबंधित नए उच्चार लक्ष्यों की पहचान करने में सहायता मिल सकती है।

यह पहल इस बात का उदाहरण है कि विकास का अर्थ केवल सड़क, रेल और औद्योगिक ढांचे का निर्माण नहीं है।वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक तकनीकों में निवेश भी देश की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक है।

विकास का लाभ आम नागरिक तक पहुंचे - चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का यह कार्यक्रम परिवहन,उद्योग, समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान को एक साथ आगे बढ़ाने की व्यापक पहल के रूप में देखा जा सकता है। मेट्रो रेल शहरी आवागमन को बेहतर बनाने में सहायक है, राजमार्ग क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करते हैं,रेलवे यात्रियों और व्यापार को सुविधा देता है तथा बंदरगाह देश को वैश्विक बाजारों से जोड़ते हैं।दूसरी ओर, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी परियोजनाएं घरेलू उत्पादन तथा तकनीकी क्षमताओं के विस्तार की संभावनाएं खोलती हैं।फिर भी, विकास की वास्तविक कसौटी केवल परियोजनाओं की लागत या उद्घाटन की संख्या नहीं होती। निर्धारित समय में निर्माण पूरा करना, गुणवत्ता बनाए रखना, सार्वजनिक धन का उचित उपयोग और आम लोगों तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है।शहरी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित यातायात और समावेशी सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक है।चेन्नई की इन परियोजनाओं का प्रभाव तमिलनाडु की सीमाओं से आगे भी दिखाई दे सकता है, क्योंकि दक्षिण भारत का औद्योगिक और समुद्री नेटवर्क राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा है।बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और निवेश को अवसर मिल सकते हैं तथा आधुनिक अनुसंधान से भारत की वैज्ञानिक क्षमता मजबूत हो सकती है।

अब इन परियोजनाओं की सफलता इस बात से निर्धारित होगी कि वे कितनी प्रभावी ढंग से धरातल पर उतरती हैं और नागरिकों के दैनिक जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाती हैं।विकास की सार्थकता तभी है,जब आधुनिक अवसंरचना के साथ रोजगार, सुविधा,सुरक्षा और आर्थिक अवसरों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचे।

संपादकीय

पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

एंटी हेलमन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होंगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुंडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्वार्थी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है। इस मामले में भी गरजती हेलमन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी। इस तरह कहीं की आद्रता कहीं पहुंच गई। बहरहाल आपदा के दुष्पक्र की निशानी में हेलमन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलमन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पीछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने बादलों के सिर मूंड कर कहीं ओले बरसा दिए। विज्ञान के सामने प्रकृति का पारंपरिक स्वभाव अगर विचलित होता है, तो एक फसल बचावे-बचाते हम कई अन्य उजाड़ देंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में बागबानी विश्वविद्यालय को अपने अनुसंधान के तर्क में आगे बढ़? की राह खोजनी होगी। हिमाचल में विकास के हर पहलू का असर पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। यह शहरीकरण, परिवहन, पर्यटन तथा आवासीय बस्तियों के विस्तार में दर्ज हो रहा है। हिमाचल प्रेंस श्रियल एप्रेटेड नियामक प्राधिकरण का मुख्यालय जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुविधां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बर्त दिया कि इस क्षेत्र के नुकते गैर कानूनी है।

पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनें बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही सेकनी होगी। खेर रेरा की फाड़लों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अखियाय किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुदृढ़ कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमडूा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुरक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कचर्रा प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब, नदीयों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जैसीबो मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बढ़ती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विशाखेण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रिपुंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशायी नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खाके नहीं बनाए।



संजय गोरवामी

आज खाड़ी देशों में अमेरिका ईरान युद्ध के कारण होमुज जलडमरूमध्य में क्षेत्र में कच्चे तेल के आवाजाही अवरुद्ध होने के कारण पेट्रोल डीजल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है 7 महीने से युद्धके चलते इंटरनेशनल मार्केट में कूड ऑयल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के पर ना हुआ है। इसलिए अब दुपहिया या मोटर कार में चलना मुश्किल हो सकता है इसलिए आज ही साइकिल को इस्तेमाल करना शुरू कर दे ए कई बार राजनेताओं ने भी शिरकत की थी दरअसल साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढ़ा व्यक्ति सभी चला सकते है।आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरों की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैनुफैक्चरर के तौर पर मिचोव्स की भूमिका ऑलिवियर भाइयों, रेने और एमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मॉर्सिल तक 800 किलोमीटर (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिर नए अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचोव्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत पैकी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत

यतायात के लिए साइकिल एक उत्तम दुपहिया वाहन



बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोजिशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विजिटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों का संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नजारा बन गया था, और काफी ज्यादा कीमतों के बावजूब बित्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ऑलिवियर्स ने मिचोव्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कोम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाजत देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरूआती वेलोसिपेड को हूबोनेशेकरहूड का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर हूड ऑर्डिनरीहूड नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री

को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैनुफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वजन आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18कि.ग्रा.) होता था, लेकिन ट्रेन-रेसिंग मॉडल का वजन 16 पाउंड (7कि.ग्रा.) जितना कम हो सकता था। शुरूआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमैटिक टायर इंटीड्यूस किया। इनसे रोलिंग रेजिस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमैटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमैटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रेक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमैटिक टायर, चैन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वजन सिर्फ 25 से 35 पाउंड (11 से 16कि.ग्रा.) था। स्टैंडर्ड डिजाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में

ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैंकरप्सी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरूआती मास जॉइंट सिस्टम की तेजी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया-खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिजाइन और पादर्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिजाइन लगभग वैसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियरिंग था। 1896 में विलियम रेसी को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्म्प-आर्चर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चैन को एक स्प्रोकेंट से दूसरे स्प्रोकेंट तक ले जाने वाले डेरिलियन गियर बन गए थे। बिकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गईं, और कई साइकिल कंपनियाँ दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवानी कंपनियाँ बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्जा कर लिया।साइकिलों में अगली वापसी तथाकथित माउटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेन्र्स ने इसे हूकलैंकरहूड कहा था, माउटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफोर्निया में डेवलप की गई। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में सेप्टी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। माउटेन बाइक डेवलपड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। दूरिग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़ेगी और स्वस्थ रहेगी।

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिका में इसाईस तूफान से भारी तबाही की आशंका, फ्लोरिडा-अलबामा संवेदनशील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान इसाईस तेजी से मजबूत हो रहा है। फ्लोरिडा और अलबामा तट की ओर बढ़ रहा यह तूफान श्रेणी 3 का है। तूफान शुक्रवार रात तक (स्थानीय समय) लैंडफॉल कर सकता है। देश के नेशनल हरिकैन सेंटर ने समुद्र में 6 से 9 फीट ऊंचे तूफान के उछाल की चेतावनी दी है। तेज हवाएं, बाढ़ और बवंडर भी आ सकते हैं। घरों की सुरक्षा के लिए निवासियों ने जनरेटर तैयार किए। उन्होंने बाथटब में पानी भरा और रेत की बैरियां भी भरीं। फ्लोरिडा के राज्यपाल रॉन डि-सैंटिस ने बिजली कटौती और गैस की कमी की आशंका जताई। तूफान 193 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से आगे बढ़ रहा है।

फ्रांस में भारतीय युवक को 20 साल की सजा

पेरिस , एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने 29 वर्षीय भारतीय रोहन राणे को लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल समूह का नेतृत्व करने के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई। राणे ने डिस्कॉर्ड पर यह समूह बनाया था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी और न्यूजीलैंड के युवक शामिल थे। जांच में 20 से अधिक पीड़िताएं मिलीं, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं। पेरिस, एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय युवक को 20 साल की जेल की सजा सुनाई। उस पर पुरुषों के एक ऐसे समूह के नेतृत्व का दोषसिद्ध हुआ है, जो नाबालिगों समेत कई लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल था। जाकाकारी के अनुसार, 29 वर्षीय रोहन राणे ने सोशल मीडिया मंच ‘डिस्कॉर्ड’ पर एक समूह बनाया था। इसमें अमेरिका, जर्मनी, न्यूजीलैंड के कई युवा शामिल थे। सरकारी वकील के अनुसार, इस समूह में शामिल पुरुष लड़कियों को झ्रसे में लेकर फंसाते थे। बाद में उनके साथ हिंसा और यौन गतिविधियों के लिए मजबूर किया जाता था। इस गिरोंह का खुलासा तब हुआ, जब कुछ समय पहले छह युवतियों ने आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच में 20 से अधिक पीड़िताओं की जानकारी मिली, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं।

अमेरिका: ट्रंप ने केटी जकारिया को चुना व्हाइट हाउस का अगला प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट की लेंगी जगह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी मीडिया कंपनी की संचार सलाहकार केटी जकारिया व्हाइट हाउस की अगली प्रेस सचिव होंगी। वह कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्थ सोशल पर जकारिया के नाम का ऐलान किया। वह अक्सर इस मंच पर राजनीतिक और आधिकारिक घोषणाएं करते हैं। जकारिया, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के लिए रूढ़िवादी विचारों वाली टिप्पणीकार हैं। यही कंपनी सोशल मीडिया साइट का संचालन करती है। जकारिया को इस पद के लिए चुनते हुए ट्रंप ने उन्हें ‘शुरुआत से ही एक वफादार और प्रतिभाशाली समर्थक’ बताया। जकारिया ने इस साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता के रूप में काम किया था। वह फॉक्स न्यूज और न्यूजमैक्स के लिए भी टिप्पणीकार रही हैं। ट्रंप ने कहा कि जकारिया उनके राष्ट्रपति चुनाव अभियानों से जुड़ी रही हैं। खास तौर पर उन राज्यों में, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा था। जकारिया से इस बारे में प्रतिक्रिया मांगी गई थी, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। लिंवडइन पर मौजूद उनकी प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की है। कैरोलिन लेविट ने 12 अगस्त को पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने 27 अगस्त को यह पद छोड़ दिया। फॉक्स न्यूज नेटवर्क ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से फॉक्स न्यूज चैनल पर कार्यक्रमों में योगदान देने वाली विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगी। लेविट जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनी थीं। उन्होंने बताया था कि वह अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह पद छोड़ रही हैं। व्हाइट हाउस में काम करने से पहले लेविट, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में ट्रंप की राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं।

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नॉर्वे की नोबेल कमेटी पर तीखा हमला बोला है। दक्षिण अफ्रीकी मूल की भारतीय न्यायविद् नवी पिल्लई को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाने पर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर के कई बड़े युद्धों और विवादों को सुलझाने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका के लिए असल में वह खुद इस सम्मान के हकदार थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘ट्थ सोशल’ पर एक बेहद लंबी पोस्ट शेयर कर नोबेल कमेटी के फैसले पर सवाल उठाए, उन्होंने नवी पिल्लई की योग्यताओं को खारिज करते हुए उन पर इजरायल-विरोधी होने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में दुनिया के आठ बड़े युद्धों को शांत कराया है, इसलिए उन्हें एक नहीं बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे, ‘इस महिला को कोई नहीं जानता, यह नॉर्वे पर एक बदनुमा दाग ‘अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा, ‘यह उस महिला को महान संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर चुनकर नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है, जिसके प्रतिनिधि यानी ‘मैंने’ 8 युद्धों और



कई अन्य मामलों को सुलझाया। मैं इस महिला के बारे में कुछ नहीं जानता और न ही कोई और जानता है!’ ट्रंप ने आगे कहा, ‘सच तो यह है कि मेरी जानकारी के मुताबिक, कोई भी उनके बारे में इसके अलावा कुछ नहीं जानता कि वह बहुत साफ तौर पर इजरायल से नफरत करती हैं.’ ट्रंप ने नोबेल कमेटी की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को मेरे जरिए यह पुरस्कार मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह नॉर्वे पर एक ऐसा बदनुमा और अमित दाग है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ‘अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा, ‘यह उस महिला को महान संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर चुनकर नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है, जिसके प्रतिनिधि यानी ‘मैंने’ 8 युद्धों और

सूची भी साझा की, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह शांत कराने का दावा किया है। ट्रंप के मुताबिक, इन देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने खुद नॉर्वे की नोबेल कमेटी को पत्र भेजकर उनके योगदान की तारीफ की थी। ट्रंप द्वारा गिनाए गए 8 विवाद इस प्रकार हैं: कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान, इजरायल और हमास ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल में सभी बंधकों को वापस लाया, जिसमें जीवित और मृत दोनों मिलाकर आखिरी 28 बंधक शामिल थे, और ऐसा करने के लिए उन्होंने सीधे हमास के साथ काम किया। उन्होंने कहा कि दो और बड़े मोर्चे—ईरान और रूस—यूक्रेन विवाद को भी वह बहुत जल्द सुलझाने या जीतने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और ताइवान के क्षेत्रों में भी तनाव को रोकने का श्रेय लिया। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जिन युद्धों को मैंने सुलझाया, उनमें कभी संयुक्त राष्ट्र से बात नहीं की, क्योंकि वे किसी काम के नहीं थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने किया ट्रंप का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति के इस गुस्से के बीच पाकिस्तान के

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुला समर्थन किया है। शहबाज शरीफ ने दोहराया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आधिकारिक तौर पर उनका नाम नामांकित किया था। पाकिस्तानी पीएम ने उम्मीद जताई कि शांति को बढ़ावा देने के ट्रंप के इन प्रयासों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। भारत ने ट्रंप के दावों को किया खारिज एक तरफ जहां ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को सुलझाने का श्रेय ले रहे हैं, वहीं नई दिल्ली (भारत) ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारत ने हमेशा की तरह साफ किया है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में किसी भी बाहरी मध्यस्थता की कोई भूमिका नहीं थी। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, यह सीजफायर पूरी तरह से द्विपक्षीय (दोनों देशों के बीच) बातचीत का नतीजा था। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलवाना में हुए भयानक आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए 7 मई को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया था। भारतीय सेना के इस कड़े एक्शन के बाद, जब पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के लॉन्च पैड पूरी तरह ध्वस्त हो गए।

फ्लार्इदुबई मामला: ओमान का सह-पायलट विमान तेल अवीव हवाई अड्डे पर गिराना चाहता था

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि फ्लार्इदुबई के सह-पायलट का इरादा तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान को यात्री टर्मिनल में गिराना था। पिछले महीने उसने तेल अवीव जा रही फ्लार्इदुबई की उड़ान के भारतीय कप्तान स्मित मच्छर पर चाकू से हमला किया था। यूएई के शीर्ष अभियोजक ने कहा कि उसका उद्देश्य अधिकतम मानवीय क्षति पहुंचना था। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की तफ़्फ़ से जारी बयान के मुताबिक उड़ान में सवार 174 यात्रियों में से अधिकांश इस्त्राएल से थे। सह-पायलट ने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली थी। सह-पायलट की पहचान 29 वर्षीय हमाम अल-हम्मामी के रूप में की गई है। यूएई के अर्टॉनी जनरल हमद सैफ अल शम्सी के मुताबिक, को-पायलट कावल 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हमाम अल-हम्मामी 2015

से 2017 तक मेलबर्न के रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ा, लेकिन इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी नहीं की। जांच के मुताबिक, वह आतंकी संगठनों और आत्मघाती हमलों का समर्थन करने वाली किताबें और ऑनलाइन सामग्री देखने लगा था। उसे मुस्लिम बदरहूड से जुड़े समूहों का समर्थन मिलने की बात भी कही गई है। वह 9/11 हमलों और तकफ़ीर विचारधारा से प्रभावित था। इसमें एक मुसलमान दूसरे मुसलमान को धर्म से बाहर मान सकता है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, को-पायलट ने माना कि विमान से हमला करने की योजना उसके संवेधित करते हुए वेंस ने कहा कि जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करेंगी और अमेरिकी नागरिकों को रोजगार देंगी, उन्हें सरकार प्रोत्साहन देगी। वहीं, जो कंपनियां अपने कारखाने और नौकरियों विदेश भेजेंगी, उन्हें सजा के तौर पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वेंस ने कहा कि अगर आप अमेरिका में सामान बना रहे हैं और अमेरिकी

अमेरिकी नौकरी विदेश भेजी तो लगेगा भारी टैरिफ, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की कंपनियों को चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि जो कंपनियां अमेरिकी नौकरियों विदेशों में ले जा रही हैं या अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कानूनी अप्रवासियों को रखेंगी, उन्हें भारी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना और देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। ओहायो के लीमा शहर में एक रिपब्लिकन मिडटर्म चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वेंस ने कहा कि जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करेंगी और अमेरिकी नागरिकों को रोजगार देंगी, उन्हें सरकार प्रोत्साहन देगी। वहीं, जो कंपनियां अपने कारखाने और नौकरियों विदेश भेजेंगी, उन्हें सजा के तौर पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वेंस ने कहा कि अगर आप अमेरिका में सामान बना रहे हैं और अमेरिकी



नागरिकों को रोजगार दे रहे हैं, तो बहुत बढ़िया। हम आपको बड़ा टैक्स कट देंगे और उत्पादन बढ़ाने और कारोबार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हालांकि अगर आप अमेरिकी नौकरियां विदेश भेज रहे हैं, अपना कारखाना किसी विदेशी कंपनी को स्थानांतरित कर रहे हैं या बाद में अमेरिकी कर्मचारियों की जगह किसी कानूनी अप्रवासी को रखने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको क्या मिलेगा? भारी टैरिफ। वेंस की यह टिप्पणी इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने

अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा की बात करते हुए कानूनी अप्रवासियों का भी स्पष्ट रूप से जिक्र किया। हालांकि, उपराष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि कानूनी अप्रवासियों को रोजगार देने वाली कंपनियों पर किसी नए टैरिफ को कैसे लागू किया जाएगा या ऐसी कोई नई नीति कब लाई जाएगी।

इसके बावजूद उनकी टिप्पणियों से यह साफ संकेत मिला कि प्रशासन रोजगार के मामले में अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने और कंपनियों को अमेरिका के भीतर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। वेंस ने कहा कि प्रशासन की नीतियों का उद्देश्य दशकों से चली आ रही औद्योगिक गिरावट को पलटाना और अमेरिकी मैनुफैक्चरिंग नौकरियों को विदेश जाने से रोकना है। अपने गृह नगर मिडलैंडउन, ओहायो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि

उन्होंने अपनी आंखों के सामने फैक्ट्रियां बंद होते और नौकरी जाने के बाद परिवारों को संघर्ष करते देखा है। उन्होंने कहा, ‘मैं जानता हूँ कि जब मां या पिता अपनी नौकरी खो देते हैं तो परिवारों पर उसका क्या असर पड़ता है।’ वेंस का कहना था कि सरकारी नीतियां ऐसी होनी चाहिए जो कंपनियों को विदेशों में नौकरियां भेजने के बजाय अमेरिका में निवेश और उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, ‘हम अपने लोगों के लिए लड़ेंगे।’ उपाध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि प्रशासन की आर्थिक नीतियों के कारण खरबों डॉलर का निवेश आया है और मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में नई नौकरियां पैदा हुई हैं। वेंस ने ओहायो में ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और दवा कंपनियों के प्रस्तावित को विदेश जाने से रोकना है। अपने गृह नगर मिडलैंडउन, ओहायो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि

ट्रंप ने पुतिन से की बड़ी डील, डीजल समझौते पर जैलेंस्की बोले- युद्ध के बीच निवेश जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका को 3,00,000 क्रेडिट टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सप्लाई तुरंत की जाएगी। बता दें, ट्रंप प्रशासन आगले महीने 3 नवंबर को होने वाले मध्यवर्धि चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ते दामों को कम करने के प्रयास में जुटा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को रूस के साथ हुई डीजल डील को ‘बड़ी डील’ बताया और अमेरिका को ‘भारी मात्रा’ में डीजल की आपूर्ति करने पर सहमति जताने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का धन्यवाद भी किया। ट्रंप ने न्यूयॉर्क के सिरेन्यूज में मिड-टर्म चुनाव प्रचार के लिए पत्रकारों से पहले व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि मुझे लगता है कि आपने रूस के साथ हुई डील के बारे में सुना होगा। यह एक बड़ी डील है। इससे हमारे देश में बहुत बड़ी मात्रा में तेल आ रहा है। मैं राष्ट्रपति पुतिन का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। हमारे देश में भारी मात्रा में तेल आ रहा है, और यह डीजल है, जिसकी हमें जरूरत है। यह बयान उनकी उस घोषणा के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि रूस तुरंत अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में 3,00,000 टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करेगा। ‘ट्थ सोशल’ पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि रूस नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10 लाख टन डीजल की सप्लाई करेगा। इसके बाद, अपनी डीजल रिफाइनरियों की स्थिति के आधार पर, कुछ ही समय में 30 लाख टन और डीजल की



सप्लाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सप्लाई और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी क्रेडिट से अमेरिकियों और ग्लोबल मार्केट में डीजल की कीमतें कम होंगी। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारे पूरे कंट्रोल है रूस एंसी एनर्जी पर हमारे शानदार घोषणा की वजह से अमेरिकियों और पूरी दुनिया के लिए डीजल की प्रतिक्रिया दी है। जैलेंस्की ने तनाव कम करने के किसी समझौते के बिना मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की आलोचना की। सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में, जैलेंस्की ने रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंध लगाने, यूक्रेन को लगातार समर्थन देने और संघर्ष को खत्म करने के लिए मॉस्को पर और ज्यादा दबाव बनाने की मांग की। उन्होंने लिखा कि शांति आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि दोनों पार्टियों के नेताओं का एक दल कीव में थे।

पनामा में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7 और 6.6, कई इमारतें गिरीं

पनामा सिटी (पनामा), एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए, पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप से झटकों से लोग हिल गए, उसके बाद 6.6 तीव्रता का एक और झटका लगा। लगातार भूकंप के झटकों से वहां अपरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग घबरा गए,जानकारी मिली है कि कई इमारतें गिर गई हैं। हालात को देखते हुए लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है। सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर शेयर की गई एक पोस्ट में, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप 9 अक्टूबर को रात 11:26 बजे 10 किलोमीटर

की गहराई पर आया। दी गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पनामा सिटी, पनामा से 206 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। इस बीच, पनामा में अमेरिकी दूतावास ने बताया कि 9 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:56 बजे पनामा के ला पितालोजा में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पितालोजा अरिबा से लगभग 14 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। दूतावास ने चेतावनी दी कि नुकसान पहुंचाने वाले भूकंप के झटके और आ सकते हैं। उसने यह भी कहा कि अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, पेरू, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, पनामा, निकारागुआ,



कोलंबिया और इक्वाडोर के लिए संभावित सुनामी की चेतावनी जारी की है। दूतावास ने कहा कि तट के पास तैज और असामान्य धाराएं और असामान्य पानी का तेज बहाव (सर्जेंस) हो सकता है,इसके साथ ही, प्रभावित इलाकों में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई कि वे क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें और ताजा

जानकारी के लिए स्थानीय आपातकालीन प्रसारण और आधिकारिक निर्देशों पर नजर रखें। दूतावास ने लोगों से कहा कि वे नुकसान वाली जगहों पर न जाएं और क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश करने से बचें। साथ ही, तटीय इलाकों में रहने वालों को ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों

का पालन करने की सलाह दी गई। इसके अलावा, लोगों को बिजली और संचार व्यवस्था ठप होने की संभावना के लिए तैयार रहने को भी कहा गया। अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक भूकंप का असर राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया है। लोग डर के चलते घरों से बाहर आ गए और खुले स्थानों पर आकर तमाम जानकारीयों का इंतजार करने लगे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट किया कि शुक्रवार की सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से

अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया। दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत का माहौल है। भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया। भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ है। लोगों के घरों की दीवारों पर दरारें पड़ गईं। लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आये। रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे। लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे।

हार्दिक पांड्या 33 साल के हुए, जन्मदिन पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने दी बधाई



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आज 33 साल के हो गये। जन्मदिन पर हार्दिक को प्रशंसकों के साथ ही साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। जिन्होंने 33 वर्ष की उम्र तक भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2016 में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद से वह इन दोनों प्रारूपों के नियमित सदस्य रहे हैं। 94 एकदिवसीय मैचों की 68 पारियों में उन्होंने 11 अर्धशतकों की मदद से 1,904 रन बनाए हैं और 91 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं, 138 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 9 अर्धशतकों के साथ 2,288 रन बनाए हैं और 114 विकेट झटके हैं।

उन्होंने जुलाई 2017 में टेस्ट डेब्यू के बाद सितंबर 2018 में अपना आखिरी टेस्ट खेला पर इस छोटे से अंतराल में उन्होंने 11 टेस्ट की 18 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतक सहित 532 रन बनाए और 17 विकेट लिए। हार्दिक ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम को से भारत को 17 साल बाद विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैदान से बाहर के उतार-चढ़ाव और खराब फॉर्म से जुझने के बावजूद, पांड्या ने बड़े टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से टीम को जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी तेज गेंदबाजी, विस्फोटक बल्लेबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण उन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी एक दुर्लभ ऑलराउंडर बनाता है। हार्दिक विश्व कप से पहले वह अपनी फॉर्म और निजी जीवन को लेकर लगातार चर्चा में थे। हालांकि, बड़े मौकों पर उनका प्रदर्शन हमेशा बेहतर होता है, और यह विश्व कप इसका सटीक उदाहरण रहा। वर्तमान में, वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। पांड्या की यह बहुमुखी प्रतिभा और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता उन्हें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप 2026 जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भारत के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बनाती है। फिलहाल, वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

रेनशॉ ने विराट का एक रिकार्ड तोड़ा



डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 190 रनों की एक ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का लगभग आठ साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। ये रिकॉर्ड है निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर सबसे अधिक रन बनाने का।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के 124 रनों पर ही शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे समय में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैट रेनशॉ ने एक छोर संभाले रखा और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उनकी 190 रनों की जुझारू पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 390 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही।

रेनशॉ ने अपनी इस पारी में पुछले बल्लेबाजों के साथ मिलकर कुल 174 रन जोड़े, जो अब तक का एक नया कीर्तिमान है। उन्होंने विशेष रूप से तब

पारी संभाली जब ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट मात्र 230 रनों पर गिर चुके थे। उन्होंने नौवें विकेट के लिए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन के साथ मिलकर 134 रनों की एक अविश्वसनीय साझेदारी की। इसके बाद, उन्होंने पेट कर्मिस के साथ भी कुछ अहम रन जोड़े, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को और मजबूती दी। इन साझेदारियों ने न केवल ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से निकाला, बल्कि रेनशॉ को यह विशिष्ट रिकॉर्ड बनाने में भी सहायता की।

पुछले बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन जोड़ने का यह रिकॉर्ड विराट के नाम था। कोहली ने साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में अपनी 235 रनों की शानदार पारी के दौरान निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ 171 रन बनाए थे। रेनशॉ ने कोहली के इस आठ साल पुराने रिकॉर्ड को तीन रन के मामूली अंतर से तोड़कर एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया है।

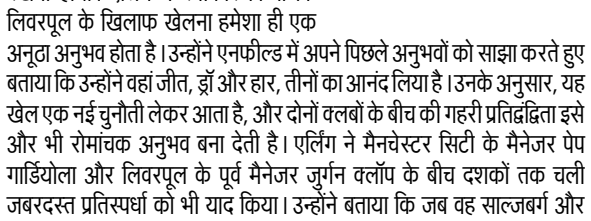
अर्जेटीना से विदाई के बाद मेसी का धमाका, इंटर मियामी के लिए दागे दो गोल



फ्लोरिडा। अर्जेटीना के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के भावनात्मक अंत के महज चार दिन बाद लियोनेल मेसी ने वलब फुटबॉल में शानदार वापसी की। मेसी ने शनिवार को इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए डीसी यूनाइटेड के खिलाफ दो गोल दागे और अपनी टीम को 4-0 से शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल मुकाबले में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा : एर्लिंग

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर नॉर्वे के एर्लिंग हॉलैंड को उम्मीद है कि लिवरपूल के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनकी टीम का प्रशंसकों का पूरा साथ मिलेगा। प्रीमियर लीग फुटबॉल में नंबर एक पर चल रही मैनचेस्टर सिटी इस मैच मैच में जीत कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। एर्लिंग को उम्मीद है कि प्रशंसकों को इस बड़े मुकाबले में काफी अच्छा खेल देखने को मिलेगा। एर्लिंग का कहना है कि इस मुकाबले में टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। साथ ही उसे अकारात्मक रुख बनाये रखना होगा। एर्लिंग ने स्वीकार किया कि लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा ही एक अनूठा अनुभव होता है। उन्होंने एनफील्ड में अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वहां जीत, ड्रॉ और हार, तीनों का आनंद लिया है। उनके अनुसार, यह खेल एक नई चुनौती लेकर आता है, और दोनों क्लबों के बीच की प्रतिस्पर्द्धिता इसे और भी रोमांचक अनुभव बना देती है। एर्लिंग ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जर्गन क्लॉप के बीच शरकों तक चली जबरदस्त प्रतिस्पर्द्धा को भी याद किया। उन्होंने बताया कि जब वह साल्जबर्ग और बोरुसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते थे, तब वह इन दो महान प्रशिक्षकों के बीच होने वाले मुकाबलों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। ब्रिटेन के साथ अपने गहरे पारिवारिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए हॉलैंड ने कहा कि उनकी मां लगभग एक दशक तक इस देश में रही है, जबकि उनके पिता मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए कैरियरटन में अभ्यास करते थे। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती चार महत्वपूर्ण साल भी यहीं बिताए। इन व्यक्तिगत संबंधों के चलते, यह स्थान उनके लिए बेहद खास है और उन्हें मैनचेस्टर सिटी तथा उसके समर्पित प्रशंसकों से गहरा लगाव है। मैनचेस्टर सिटी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले लीग के शुरुआती पांच मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर एक मजबूत शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के घरेलू मैदान एनफील्ड में उसे निश्चित रूप से एक कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।



लंदन । मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर नॉर्वे के एर्लिंग हॉलैंड को उम्मीद है कि लिवरपूल के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनकी टीम का प्रशंसकों का पूरा साथ मिलेगा। प्रीमियर लीग फुटबॉल में नंबर एक पर चल रही मैनचेस्टर सिटी इस मैच मैच में जीत कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। एर्लिंग को उम्मीद है कि प्रशंसकों को इस बड़े मुकाबले में काफी अच्छा खेल देखने को मिलेगा। एर्लिंग का कहना है कि इस मुकाबले में टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। साथ ही उसे अकारात्मक रुख बनाये रखना होगा। एर्लिंग ने स्वीकार किया कि लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा ही एक अनूठा अनुभव होता है। उन्होंने एनफील्ड में अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वहां जीत, ड्रॉ और हार, तीनों का आनंद लिया है। उनके अनुसार, यह खेल एक नई चुनौती लेकर आता है, और दोनों क्लबों के बीच की प्रतिस्पर्द्धिता इसे और भी रोमांचक अनुभव बना देती है। एर्लिंग ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जर्गन क्लॉप के बीच शरकों तक चली जबरदस्त प्रतिस्पर्द्धा को भी याद किया। उन्होंने बताया कि जब वह साल्जबर्ग और बोरुसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते थे, तब वह इन दो महान प्रशिक्षकों के बीच होने वाले मुकाबलों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। ब्रिटेन के साथ अपने गहरे पारिवारिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए हॉलैंड ने कहा कि उनकी मां लगभग एक दशक तक इस देश में रही है, जबकि उनके पिता मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए कैरियरटन में अभ्यास करते थे। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती चार महत्वपूर्ण साल भी यहीं बिताए। इन व्यक्तिगत संबंधों के चलते, यह स्थान उनके लिए बेहद खास है और उन्हें मैनचेस्टर सिटी तथा उसके समर्पित प्रशंसकों से गहरा लगाव है। मैनचेस्टर सिटी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले लीग के शुरुआती पांच मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर एक मजबूत शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के घरेलू मैदान एनफील्ड में उसे निश्चित रूप से एक कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।

शंघाई मास्टर्स : दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत, अल्काराज भी अगले दौर में पहुंचे



शंघाई। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेल गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रुफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसकालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था।

बांग्लादेश चैंपियंस के दिये लक्ष्य से हम दबाव में आये : गेल



शारजाह (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2026 में वेस्टइंडीज चैंपियंस ने भले ही बांग्लादेश चैंपियंस के खिलाफ रोमांचक मुकाबला जीत लिया हो पर जिस प्रकार से बांग्लादेश चैंपियंस ने उससे ठ्कर दी उससे टीम के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल भी डरे हुए हैं। गेल ने माना है कि बांग्लादेश टीम के प्रदर्शन से वह डर गयीं थे। वेस्टइंडीज ने इस मैच में 219 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट से यह मैच जीत लिया था पर बांग्लादेश की बेहतरीन बल्लेबाजी से उसके लिए लिए जीत हासिल करना बेदद कठिन हो गया था।

इस मैच में बांग्लादेश चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 219 रन बनाये। उनी नकी तरफ से रेनी तालुकदार और कप्तान महमुदुल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे वेस्टइंडीज के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा हो गया। यह स्कोर

इतना आसान नहीं था कि वेस्टइंडीज चैंपियंस इसे बिना किसी दबाव के हासिल कर पाते, और इसी वजह से उन्हें एक ठोस और आक्रामक शुरुआत की सख्त जरूरत थी।

इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज चैंपियंस को क्रिस गेल और लेंडल सिमंस ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जोरदार शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ कुछ ही ओवरों में 67 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। इसके बाद क्रिस गेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए मात्र 25 गेंदों पर 56 रन ठेक जले, जिसमें 6 छक्के और 4 शानदार चौके शामिल रहे। वहीं, लेंडल सिमंस ने भी 11 गेंदों पर तेजतर्रार 20 रन का योगदान दिया। इस आक्रामक शुरुआत ने वेस्टइंडीज को लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए एक मजबूत नींव प्रदान की।

गेल और सिमंस द्वारा रखी गई नींव का फायदा उठते हुए, इसके बाद चार्डविक वॉल्टन ने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को जीत तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक अविस्मरणीय पारी खेलते हुए महज 43 गेंदों पर नाबाद 90 रन बनाए।

हसन महमूद टेस्ट में हैट्रिक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने

अबु धाबी (एजेंसी)। बांग्लादेश के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं।

इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे हैं। उनसे पहले साल 2003 में अलोक कपाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहाग गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चत्तागव में टेस्ट हैट्रिक बरहोई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की।



आलम तब केवल एक रन ही बना पाये थे। हसन ने उन्हें साफ बॉल्ड कर दिया। इसके बाद, हसन ने काइस अहमद को अपना दूसरा शिकार बनाया। बल्लेबाज ने ऑफ स्ट्रोक के बाहर की गेंद पर शांट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और सीधे विकेटकीपर लिटन दास के हाथ में आई। वहीं हसन की तीसरी गेंद पर जियाउर रहमान एलनबीक्यू आउट हुए। मैदानी

अंपायर ने शुरुआत में अपील को खारिज कर दिया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शातो ने तुरंत रिव्यू लेने का फैसला किया। वीडियो रिवरल में स्पष्ट रूप से पता चला कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और बॉल ट्रैकिंग के अनुसार वह सीधे स्टंप्स पर लग रही थी। अंपायर का फैसला बदला गया और इस तरह हसन महमूद ने अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की, जिससे बांग्लादेश खेमा खुशी से झूम उठा। हसन

गंभीर ने मयंक की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने है। वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए टी-20 मुकाबले में मयंक यादव लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से गेंद डालते रहे। चोट से उबरकर वापसी कर रहे मयंक ने इस मैच में अपने तीन ओवर में 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए। उनकी गेंदों के सामने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम भी टिक नहीं पाया। उनकी इस प्रभावशाली गेंदबाजी ने न केवल वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशानी में डाला, बल्कि भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसे तेज गेंदबाज की झलक भी दी, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा हथियार बन सकता है। इसी से से प्रभावित होकर गंभीर ने उनकी जमकर तारीफ की। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर



आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उसने आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया। हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ? ? है कि 17वां ओवर मयंक ने न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने कहा कि बताया कि सहाय ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। साथ ही कहा, अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैं बच आपके पक्ष में जा सकता था। जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है, एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे सैंटनर

–फर्ग्युसन और एलन की तीन साल बाद वापसी

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी मिशेल सैंटनर को दी गयी है जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन की तीन साल के बाद टीम में वापसी हुई है। यह सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक खेली जाएगी, जिसके लिए न्यूजीलैंड बोर्ड ने पहले तीन एकदिवसीय और अंतिम दो एकदिवसीय के लिए अलग-अलग दल का चयन किया है। टीम के रणनीतिक बदलावों और प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी से यह सीरीज और भी बेहतर होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि टीम में वापसी करने वाले फर्ग्युसन ने कीवी टीम के लिए अपना अंतिम एकदिवसीय मुकाबला तीन साल पहले खेला था और अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे टीम की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। उनके अलावा फिन एलन की भी तीन साल के बाद ही एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है।



उन्होंने भी अपना अंतिम एकदिवसीय साल 2023 में खेला था। विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम साइफर्ट की भी 50-ओवर फॉर्मेट में वापसी हुई है। साइफर्ट ने पिछले डेढ़ साल में कोई एकदिवसीय डे मैच नहीं खेला है और उन्हें आखिरी बार अप्रैल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते देखा गया था। साइफर्ट को आखिरी दो एकदिवसीयमैचों के लिए कीवी टीम में जगह मिली है। जबकि एलन पहले से ही टीम का हिस्सा है।

इसके अलावा टीम में पहले तीन एकदिवसीय मैचों के लिए शामिल डेवोन

ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफ्री, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लेथम (विकेटकीपर), डैरिल मिचेल, खन फिलियस, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ??केयर टिकनर।

वहीं अंतिम 2 एकदिवसीय के लिए टीम में ये खिलाड़ी शामिल हैं- मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफ्री, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्युसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

इस एकदिवसीय सीरीज से पहले, भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी, जिसका आगाज 22 अक्टूबर को होगा और समापन 1 नवंबर को होगा। टी20 सीरीज के तीन दिन बाद, यानी 4 नवंबर से, एकदिवसीय मुकाबलों की शुरुआत होगी, जो भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए क्रिकेट का एक लंबा और रोमांचक दौर सुनिश्चित करेगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन देने वाला होगा।

न्यूजीलैंड दल पहले तीन एकदिवसीय के लिए मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस से हारी इंडिया चैंपियंस

शारजाह । दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को 4 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स जीती है। इस मैच में टीम इंडिया के दिये 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ने 7 गेंदें पहले ही 197 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने केवल 31 गेंदों पर ही 6 चौके और 6 छकों की सहायता से 77 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं स्टुअर्ट बिन्नी ने भी अर्धशतक लगाया और 50 रन बनाए। वहीं युवराज सिंह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये।। अंबाती राघुवृषिर्फ 19 रन ही बना पाए।। यूसुफ पठान ने 24 रन तो बनाए लेकिन उनकी धीमी पारी टीम के लिए उसनी उपयोगी साबित नहीं हुई।। इरफान पठान और ऋषि धवन समेत अन्य बल्लेबाज भी अधिक रन नहीं बना पाये।। टीम इंडिया ने तय ओवरों में 196 रन बनाये।। इसके बाद बड़े लक्ष्य करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही।। उनके पहले चार विकेट केवल 67 रन पर ही गिर गए थे, जिससे इंडिया चैंपियंस की जीत की उम्मीदें बन रही थीं।। प्रमुख बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जेपी डुमिनी और कॉलिन इंग्रम ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 101 रन बनाये।। डुमिनी ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 66 रनों की आक्रामक पारी खेली जबकि कॉलिन इंग्रम ने भी 40 रन बनाये।। भारतीय गेंदबाज असफल रहे जिससे इंडिया चैंपियंस को इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है।।

सचिन तेंदुलकर के नाम अनोखा टेस्ट रिकॉर्ड, छक्के से शतक पूरा करने में सबसे आगे

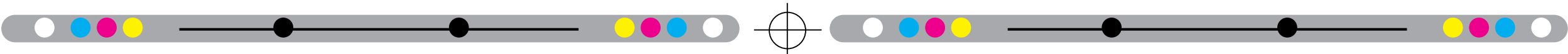
नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट को धैर्य और तकनीक का खेल माना जाता है। खासकर पुराने दौर में बल्लेबाजों के लिए 90 से 100 रन तक पहुंचना बड़ी चुनौती हुआ करता था। शतक के करीब पहुंचने पर बल्लेबाज बड़े शांत खेलने से बचते थे और एक-एक रन जोड़कर अपना शतक पूरा करते थे। हालांकि समय के साथ क्रिकेट का अंदाज बदला और आक्रामक बल्लेबाजों ने शतक पूरा करने के लिए छकों का सहारा लेना शुरू कर दिया। टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा करने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में छह बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। उनके नाम 200 टेस्ट मैचों में 51 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100

शतक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड है, लेकिन छक्के से शतक पूरा करने का यह आंकड़ा अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है। सचिन ने पहली बार 1994 में नागपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आठवां टेस्ट शतक छक्के के साथ पूरा किया था। इसके बाद इंग्लैंड के नॉटिंगम में उन्होंने अपने करियर का नौवां शतक भी छक्के से पूरा किया। सचिन के करियर का 18वां टेस्ट शतक भी छक्के से पूरा हुआ था। यह शतक उन्होंने न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में बनाया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010-11 की सीरीज में उन्होंने छक्के के साथ अपना 49वां शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके 50वें और 51वें टेस्ट शतक के दौरान भी छक्का शतक पूरा करने का माध्यम बना। इस तरह सचिन ने कुल छह टेस्ट शतक छक्का लगाकर पूरे किए।



इस सूची में इंग्लैंड के केन वॉरिंगटन भी शामिल हैं, जिन्होंने चार टेस्ट शतक छक्के से पूरे किए थे। हालांकि वह सचिन से पीछे हैं। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी छक्के से शतक पूरा करने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीन बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। सहवाग ने 2003 में मेलबर्न में स्टुअर्ट मैकगिल की गेंद पर छक्का लगाकर शतक पूरा किया था। इसके बाद 2004 में मुस्ताफा में पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा किया। 2010 में कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान पर रॉबिन पीटरसन की गेंद पर छक्का लगाकर सहवाग ने एक और टेस्ट शतक पूरा किया। सहवाग के नाम टेस्ट क्रिकेट में तिरहारा शतक भी है, जिसे उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर हासिल किया।



जिंदगी में धक्के लगाने पर संभालते हैं कुछ लोग



बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।

तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नेशनल अवॉर्ड की हकदार भी रही। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकी दिव्या पिछले दिनों 'चिडिया' में अपने रोल के लिए खूब सराही गई। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे 'लास्ट मैन इन टावर' की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आज भी मां से बातें करती हूं

दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इन्सपिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रही, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां

आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूँ। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से ड्राइव करती थीं, आज वो अंदर से आती हैं। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूँ या न करूँ, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूँ कि जिनसे आप जने होते हैं अर्थात् जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते हैं, तब वो कार के सर्वशेन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।'

औरतें पहले खुद को संवारे

हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका भी टाइम

और उसके ख्याब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, 'हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जड़ें जहद में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आएँ। वो बोलीं, 'मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहाँ?' तो ये जो 'अब कहाँ?' है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, 'अब कहाँ?' यानी क्या?'

मुखौटे पहनकर ट्रेलिंग की जाती है

सोशल मीडिया को डेंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, 'हर चीज के फायदे-नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिसपॉन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूँ कि मुझे ट्रेलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रेल करते हैं, उन्हें

इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रेलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सनल लोग आपको ट्रेल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रेल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।'

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका

'मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ वीर जारा, स्पेशल छब्रीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हमारे कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जादू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।'



टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहने पर रोहित रॉय ने दी सफाई

रोहित रॉय छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लगभग 30 वर्षों के करियर में कई हिट टीवी शो में काम कर चुके हैं। इनमें 'स्वाभिमान', 'कुसुम', 'भाभी' और कई अन्य शो शामिल हैं, लेकिन एक्टर पिछले कुछ समय से अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, अभिनेता ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए भारतीय टेलीविजन को 'डस्टबिन मीडियम' बता दिया था, जिसके बाद उनके बयान की खूब आलोचना हुई। अब रोहित रॉय ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि वह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं था। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ युवा कलाकारों ने बिना पूरी बात समझे उन पर पर्सनल अटैक किए। अभिनेता ने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से होती है कि कुछ युवा कलाकारों ने पूरा इंटरव्यू देखे बिना, सिर्फ विलकबेट हेडलाइन देखकर मेरे खिलाफ प्रतिक्रिया दी और मुझ पर पर्सनल हमले किए। जब मैं 'डस्टबिन मीडियम' कहता हूँ, तो मेरा मतलब यह है कि हम कुछ भी बनाते हैं और टीवी पर दिखा देते हैं और सोचते हैं कि लोग इसे देखेंगे।' एक्टर ने आगे कहा, 'जो भी क्रिएटिव है और टेलीविजन को बेहतर बनाना चाहता है, उससे मैं यही कह रहा हूँ कि आज हम जिस तरह का कंटेंट बना रहे हैं, वह उस स्तर का नहीं है। मैं आज ओटीटी क्यों देख रहा हूँ? क्योंकि वहां मुझे कुछ बेहतरीन चीजें देखने को मिल रही हैं।' रोहित ने कहा कि लोकतंत्र में लोग उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पहले उनके बयान का संदर्भ समझना चाहिए। अभिनेता ने उन कलाकारों पर भी नाराजगी जताई, जिन्होंने उनके खिलाफ बयान दिए। एक्टर ने कहा, 'मैंने किसी एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर के बारे में बात नहीं की थी। तो उन 3-4 लोगों के बारे में सोचिए, जिन्होंने टीवी पर कमेंट किया। उन्होंने टीवी पर उतनी मेहनत नहीं की है, जितनी मैंने की है। लेकिन इस विवाद को खत्म करने के लिए मैं इतना कहना चाहता हूँ कि मैंने हमेशा टेलीविजन के हित के बारे में सोचा है। पिछले 30 वर्षों से मैं टेलीविजन के लिए आवाज उठाता रहा हूँ।'



'हुंकार: द रोअर' में जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा

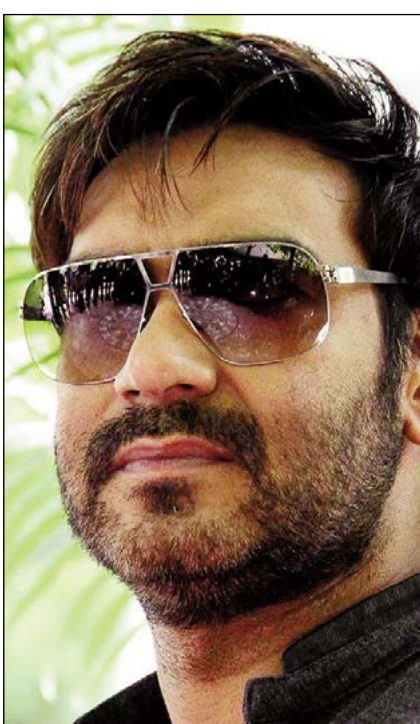
हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार: द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक़्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया।



श्रेया सरन ने की 'दृश्यम 3' को-स्टार अजय देवगन की तारीफ

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय साल्गांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। बातचीत में श्रेया सरन ने कहा, 'अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।'

श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।' अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक पाठक ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।' श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की



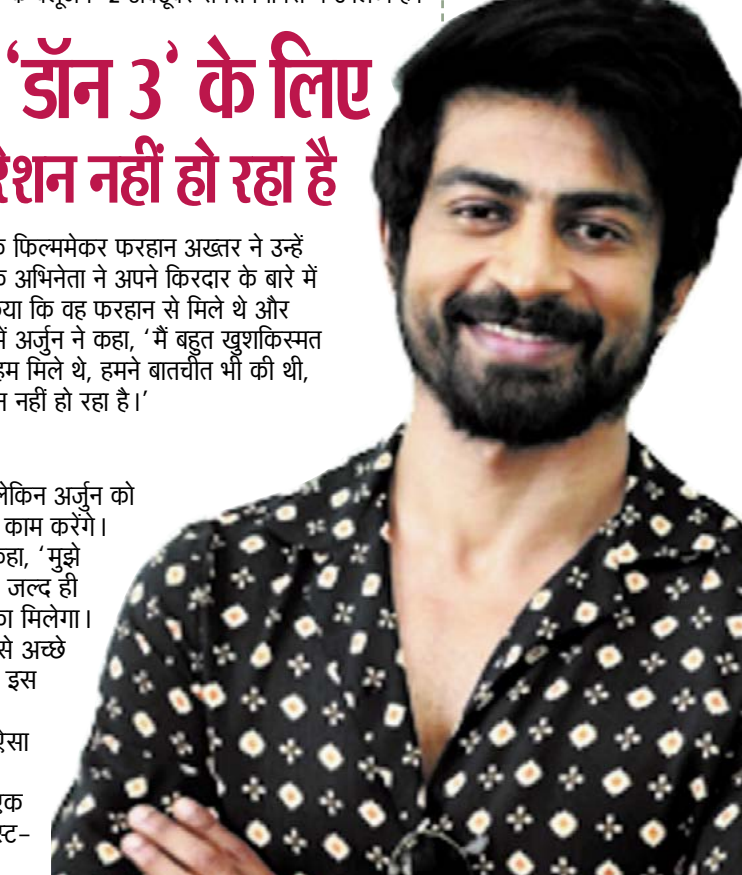
और कहा, 'मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूँ और जानती हूँ कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।' 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय साल्गांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके। 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावाल, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं। 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।



फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' के सफर को शीना चौहान ने बताया शानदार

अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरों पोस्ट कर लिखा, 'जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही

शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।' श्रवण जोनान्दा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जयियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-डब्लिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोनान्दा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



बदकिस्मती से 'डॉन 3' के लिए फरहान से कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है

तमिल अभिनेता अर्जुन दास ने बताया है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने उन्हें 'डॉन 3' के लिए अप्रोच किया था। हालांकि अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कन्वर्म किया कि वह फरहान से मिले थे और प्रोजेक्ट पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत में अर्जुन ने कहा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत था कि मुझे फरहान सर का कॉल आया। हम मिले थे, हमने बातचीत भी की थी, लेकिन बदकिस्मती से अब यह कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है।'

अभिनेता ने जताई उम्मीद

भले ही यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया, लेकिन अर्जुन को उम्मीद है कि वे भविष्य में फरहान के साथ काम करेंगे। फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है और मैं आशा करता हूँ कि मुझे जल्द ही फरहान सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि वह अब तक मिले सबसे अच्छे और विनम्र लोगों में से एक हैं। तो हां, मैं इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। यह कोलैबोरेशन होने वाला था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।' इसी बातचीत के दौरान अर्जुन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक हिंदी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

दानह जोन स्तरीय विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2026-27 का हुआ आयोजन



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 12 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के शिक्षा विभाग तथा समग्र शिक्षा के तत्वावधान में आज सीपीएस सिलवासा में फलांडी जेन की दानह जोन स्तरीय विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में खरडपाड़ा क्लस्टर, फलांडी क्लस्टर के विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, रचनात्मकता एवं विषयगत ज्ञान का प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत दोस

अपशिष्ट प्रबंधन विषय में सीपीएस खरडपाड़ा ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सीपीएस टोंकरखाड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नवीकरणीय ऊर्जा पद्धतियां विषय में प्राथमिक विद्यालय बालदेवी प्रथम स्थान तथा सीपीएस फलांडी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत डिजिटल इंडिया: समावेशी और सुरक्षित डिजिटल समाज विषय में प्राथमिक विद्यालय टोंकरखाड़ा जी.एम. ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्राथमिक विद्यालय बेडूपाड़ा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार, स्मार्ट क्लाइमेट: मजबूत गाँव विषय में प्राथमिक विद्यालय

बालदेवी ने प्रथम स्थान तथा प्राथमिक विद्यालय उमरकुई ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर बीआरसी को-ऑर्डिनेटर अल्लारखा वोहरा, बीआरपी केयूर गोहिल, सीआरसी को-ऑर्डिनेटर नेमिश पटेल, मिमराज परमार, लीना सोलंकी, सहायक आचार्य छानिया पटेल, सुरेश पटेल सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, डिजिटल जागरूकता तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था।

इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में केंद्र शाला सिलवासा अंग्रेजी माध्यम के हेड मास्टर मनीषा पवार एवं सहायक हेड मास्टर प्रकाश सोलंकी का अच्छा सहयोग मिला।

उत्तर भारतीय सर्व समाज दमण ने सार्वजनिक दुर्गा पूजा उत्सव के साथ स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

■ पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, राजनीतिक अग्रणी पिकीन कांटेक्टर सहित अन्य महानुभावों ने माँ अंबे का लिया आशीर्वाद



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। उत्तर भारतीय सर्व समाज दमण द्वारा दुनेठा गेट के सामने स्थित वाड़ी (परिसर) में सार्वजनिक नवदुर्गा पूजा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। माँ अंबे की मूर्ति

स्थापना से पूर्व उत्तर भारतीय सर्व समाज दमण द्वारा एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा दुनेठा स्थित जलदेवी माता मंदिर के पास स्थित तालाब से पवित्र जल लेकर स्थापना स्थल तक पहुंची। तत्पश्चात, विधि-विधान के साथ नवदुर्गा की

पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने माता जी के मुख का पट खोलकर उनके दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर उत्तर भारतीय सर्व समाज दमण द्वारा माता जी के प्रांगण में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर

जनसेवा का एक उत्कृष्ट संदेश दिया गया। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, राजनीतिक अग्रणी पिकीन कांटेक्टर, रामशरणभाई, भैरवभाई सहित कई गणमान्य लोगों और नागरिकों ने उपस्थित रहकर माँ अंबे का आशीर्वाद लिया।

दीव में नवरात्रि को लेकर एसडीपीओ राहुल बल्हारा की अध्यक्षता में आयोजकों के साथ हुई बैठक



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 11 अक्टूबर। दीव में शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व को लेकर पुलिस विभाग पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। त्यौहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नियमों का पालन कराने और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोकने के उद्देश्य से दीव पुलिस द्वारा महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। एसडीपीओ राहुल बल्हारा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नवरात्रि महोत्सव के विभिन्न आयोजकों और संचालकों ने हिस्सा लिया। जिसमें नवरात्रि पर्व

के दौरान विभिन्न सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से हाल ही में गणपति विसर्जन यात्रा के दौरान हुए हादसे को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने आयोजकों को विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी। संचालकों से अपील की गई है कि वे आवश्यक सावधानियां बरतें और हर स्तर पर पुलिस विभाग के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें। चर्चा के दौरान नवरात्रि संचालकों ने देर रात गरबा स्थलों से बाहर निकलने वाले युवक-युवतियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर कुछ चिंताएं और सुझाव

पुलिस के सामने रखे। इस संदर्भ में पुलिस ने आश्वासन दिया है कि, गरबा स्थलों और मुख्य मार्गों पर पुलिस प्रहरी लगाए जाएंगी। साथ ही सड़क परिसरों में घूमने वाले लोगों से कड़ी पूछताछ होगी और जरूरत पड़ने पर उनके अभिभावकों को सूचित किया जाएगा। इसके अलावे कुछ चिन्हित मार्गों पर स्पीड ब्रेकर लगाए जाएंगे और शराब के नशे में तेज रफ्तार गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दीव एसडीपीओ राहुल बल्हारा ने

नवरात्रि आयोजकों को निर्देश दिया है कि वे गरबा स्थलों पर पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक तैनात करें। उन्होंने किसी भी अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहने और कार्यक्रम स्थलों पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही एसडीपीओ ने साफ शब्दों में कहा कि कोई भी समस्या होने पर कानून हाथ में लेने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचित करें। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आयोजकों को सभी जरूरी इमरजेंसी संपर्क नंबर तैयार रखने की भी हिदायत दी गई है।

दीव और घोघला में खारवा समाज के नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ:माताजी की विधिवत स्थापना



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 11 अक्टूबर। दीव में आज से नवरात्रि पर्व का धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के साथ शुभारंभ हो गया है। नवरात्रि पहले दिन दीव के विभिन्न क्षेत्रों में माताजी की प्रतिमा की स्थापना के साथ ही गरबा महोत्सव शुरू हो गया। हर साल की परंपरा के अनुसार दीव के श्री समस्त खारवा समाज और घोघला के श्री समस्त जनरल खारवा समाज द्वारा इस वर्ष भी नवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। नवरात्रि के शुभ प्रारंभ पर घोघला में श्री समस्त

जनरल खारवा समाज द्वारा सर्वप्रथम राम मंदिर में माताजी की विशेष पूजा-अर्चना के बाद माताजी का सोलह श्रृंगार कर एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजे की धुनों और भक्तिमय माहौल के बीच यह शोभायात्रा घोघला की विभिन्न गलियों से गुजरती हुई पंचायत चौक पहुंची। वहाँ पूरे धार्मिक विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ माताजी की प्रतिमा को विधिवत स्थापित किया गया। इसके

पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर अगले नौ दिनों तक श्रद्धालु पूजा-अर्चना, भक्ति और गरबा के माध्यम से माताजी की आराधना करेंगे। पूरे दीव और घोघला क्षेत्र में इस समय उत्साह, आनंद और आस्था का माहौल है। आज रात से ही घोघला पंचायत चौक पर गरबा प्रेमियों द्वारा गरबा खेलने से नवरात्रि की रौनक और भी बढ़ जाएगी।

पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर अगले नौ दिनों तक श्रद्धालु पूजा-अर्चना, भक्ति और गरबा के माध्यम से माताजी की आराधना करेंगे। पूरे दीव और घोघला क्षेत्र में इस समय उत्साह, आनंद और आस्था का माहौल है। आज रात से ही घोघला पंचायत चौक पर गरबा प्रेमियों द्वारा गरबा खेलने से नवरात्रि की रौनक और भी बढ़ जाएगी।

बिहार मित्र मंडल सेवा समिति ने निकाली कलश यात्रा



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 अक्टूबर। बिहार मित्र मंडल सेवा समिति द्वारा दिलीपनगर में दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी के तहत रविवार सुबह 08:30 बजे दिलीपनगर क्रॉस लेन नं.-3 से मोटी दमण

होते हुए नायलापारडी तक कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें बालिकाएं तथा महिलाएं शामिल हुई। दिलीपनगर में बने भव्य पंडाल में माता दुर्गाजी का आगमन हुआ। जिसमें सभी दमणवासी तथा बिहार के सभी अग्रवासी

भाई-बहन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर दमण के साथ पूरे भारत देश की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना की गई। इस धार्मिक कार्य के संचालक बिहार मित्र मंडल सेवा समिति के अध्यक्ष राम कुमार साह, उपाध्यक्ष हरि

किशोर पंडित, सचिव रेवती रमण झा(छोटू), कोषाध्यक्ष रामजनम साहनी, सह-कोषाध्यक्ष रंजीत साहनी, सदस्यों में धीरज पटेल, रंजीत साहनी, रंजन कुमार साह, डी. के. दिनकर, गौरी शंकर गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वापी में भक्ति एवं आस्था के साथ मां अंबे की प्रतिमा की हुई स्थापित

■ पायल मासी और दीपक सिंह राजपूत ने माताजी की मूर्ति के मुख का पट खोला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी, 11 अक्टूबर। वापी में भक्ति और आस्था के साथ, शादीय नवरात्रि का शुभारंभ हुआ है। वापी में किन्नर समाज की पायल के घर इस बार भक्ति एवं आस्था के साथ पहली बार मां अंबे की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर पायल मासी और दीपक सिंह राजपूत ने माताजी की मूर्ति के मुख का पट खोला। ढोल-नगाड़ों, ज्वकारों और श्रद्धालुओं के उत्साह के बीच मां अंबे का स्वागत किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र मां की भक्ति के रंग में रंग गया। मां अंबे की

प्रतिमा को अंबे माता मोरानी सकेल से होते हुए पायल मासी के निवास स्थान तक लाया गया, जहां विधि-विधान के साथ स्थापना की गई। इस अवसर पर किन्नर समाज के वरिष्ठ गुरुजन और बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही युवा वर्ग, स्थानीय महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पायल मासी ने सभी श्रद्धालुओं से भावपूर्ण अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ मां अंबे के दर्शन करने आएँ, माता रानी की आराधना करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

प्रतिमा को अंबे माता मोरानी सकेल से होते हुए पायल मासी के निवास स्थान तक लाया गया, जहां विधि-विधान के साथ स्थापना की गई। इस अवसर पर किन्नर समाज के वरिष्ठ गुरुजन और बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही युवा वर्ग, स्थानीय महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पायल मासी ने सभी श्रद्धालुओं से भावपूर्ण अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ मां अंबे के दर्शन करने आएँ, माता रानी की आराधना करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

प्रतिमा को अंबे माता मोरानी सकेल से होते हुए पायल मासी के निवास स्थान तक लाया गया, जहां विधि-विधान के साथ स्थापना की गई। इस अवसर पर किन्नर समाज के वरिष्ठ गुरुजन और बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही युवा वर्ग, स्थानीय महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पायल मासी ने सभी श्रद्धालुओं से भावपूर्ण अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ मां अंबे के दर्शन करने आएँ, माता रानी की आराधना करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 11 अक्टूबर। भारत सरकार की ईस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत दीव जिले के तीन होनहार प्रतियोगिता में दीव जिले के तीन प्रतिभाशाली छात्र अंशुल भरत, भाविनी पटेल और हेमांगशु रामजी अपने अभिनव वैज्ञानिक प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन कर दीव जिले का

(एनएलईपीसी) में हिस्सा लेंगे। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 12 से 14 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जा रही है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दीव जिले के तीन प्रतिभाशाली छात्र अंशुल भरत, भाविनी पटेल और हेमांगशु रामजी अपने अभिनव वैज्ञानिक प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन कर दीव जिले का

प्रतिनिधित्व करेंगे। ये छात्र अपनी मार्गदर्शक एवं एक्कोर्ट शिक्षिका रचना शाह की देखरेख में 10 अक्टूबर को दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस विशेष उपलब्धि पर दीव जिले के जिला शिक्षा अधिकारी आर. के. सिंह, अंग्रेजी माध्यम की जेठीबाई सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं घोघला की सरकारी

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अरविंद सोलंकी और दीव सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विजय बामणिया ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि ये छात्र राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दीव जिले का गौरव बढ़ाएंगे।